(Pages : 3) **L – 5226**

Reg. No. : ....

Name : ....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, March 2021

Hindi Language and Literature

HL 244 – SANSKRIT PAPER II –– CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE AND POETIC TYPES

DRAMA AND DEFINITIONS OF POETIC TYPES

(2019 Admission)

gcwcentrallibrary.in

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

सूचना – देवनागरीलिपिमुपयुज्य संस्कृतभाषया उत्तराणि लेखनीयानि।

Instruction : 1. Answer may be written in Sanskrit, English or Malayalam.

2. In writing Sanskrit Devanagari script should be used.

PART – A

I. **सर्वेषां** प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।

(Answer the following. Each carries 1 mark)

1. कालिदासस्य रचितानि रूपकाणि कानि?

2. मङ्गलकाले उचितं न भवति – किम्?

3. अयं तावत् प्रथम: संकल्प: – किम्? का कां एवं वदति?

4. ते आभरणविनियोगं कुर्व: – कुत्र? कथम्?

P.T.O.

5. प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा – कस्य?

6. मम्मट भट्टेन प्रतिपादितं काव्यलक्षणं लिखत।

7. जगन्नाथपण्डितेन उक्तं काव्यलक्षणं प्रतिपादयत।

8. मम्मटोक्तदिशा काव्यप्रयोजनं स्पष्टयत।

9. भरतमुनेः रससूत्रं लिखत।

10. यमक काव्यं विशदयत।

(10 × 1 = 10 Marks)

PART – B

II. **पञ्चानां** प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।

(Answer any **five** questions. Each carries **2** marks)

11. कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव – कथम्? विशदयत।

12. दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि – कुतः? स्पष्टयत।

13. पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाविश्लेषदुःखेः नवैः – आशयं लिखत।

14. सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते विशदयत।

15. ध्वानिसिद्धान्तं विशदयत।

16. चम्पूकाव्यस्य लक्षणं प्रतिपादयत।

17. कुलकं वर्णयत।

(5 × 2 = 10 Marks)

gcwcentrallibrary.in

PART – C

III. **पञ्चानां** प्रश्नानां पुटात्मकमुत्तराणि लिखत।

(Answer any **five** questions. Each carries **5** marks)

18. काश्यपस्य दुष्यन्तं प्रति सन्देशं विशदयत।

19. शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः – सप्रकरणं विशदयत।

20. अनसूया – प्रियंवदायाः प्राधान्यं लिखत।

21. वैतानास्त्वां वह्नयः पावयन्तु – विशदयत।

22. वामनस्य रीतिसिद्धान्तं निरूपयत।

23. दण्डिनोक्तदिशा गुणस्वरूपं वर्णयत।

24. कथा–आख्यायिकयोः भेदं स्पष्टयत।

(5 × 5 = 25 Marks)

PART – D

IV. कमपि ग्रन्थमनपहाय **द्वयोः** निबन्धात्मकमुत्तरं लिखत।

(Answer any **two** questions. Each carries 15 marks)

25. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थाङ्ककथां संक्षेपेण लिखत।

26. कालिदासस्यवर्णनापाटवं शाकुन्तलदिशा कुरुत।

27. दण्डिनः प्रतिपादितं महाकाव्यलक्षणं निरूपयत।

28. काव्य भेदान् सविस्तरं प्रतिपादयत।

(2 × 15 = 30 Marks)

gcwcentrallibrary.in